# इन भूलों के कारण हुआ संसार का पतन

1. परमात्मा को सर्वव्यापी अर्थात् कण-कण में कहने से
2. मनुष्य जन्म 84 लाख योनियों के बाद होने की बात कहने से
3. शिव भगवानुवाच के बजाय श्रीकृष्ण भगवानुवाच कहने से
4. कल्प की आयु लाखों वर्ष कहने से
5. भगवान अवतरण के लिए युगे-युगे कहने से
6. कलियुग की आयु अभी 40 हजार वर्ष बाकी कहने से
7. जो मर्जी खाओ-पियो, आत्मा तो निर्लेप है कहने से
8. आत्मा सो परमात्मा, परमात्मा सो आत्मा कहने से
9. श्रीकृष्ण के आगमन को द्वापरयुग में कहने से
10. श्रीराम के आगमन को सतयुग में कहने से
11. श्रीकृष्ण ने गोपियों के वस्त्र चुराए, मक्खन चोरी कर खाया आदि कहने से
12. आत्मा के परमात्मा में समा जाने की बात कहने से
13. अंधश्रद्धावश अनेकों की भक्ति करने से
14. देहअभिमान वश देहधारी गुरूओं की मत पर चलने से
15. अनेक धर्मों की अनेक मतों के कारण
16. स्वयं को आत्मा के बजाय शरीर समझने के कारण
17. परमात्मा को भूलने के कारण
18. परमात्मा के ज्ञान से अनभिज्ञ होने के कारण
19. स्वार्थी, लालची प्रवृत्ति होने के कारण
20. माया के पांच विकारों के वशीभूत होने के कारण
21. पतित-पावन परमात्मा के बजाय पानी की गंगा को मानने से
22. आत्मिक मूल्यों के विस्मृत होने से
23. आत्मा-आत्मा, भाई-भाई का सम्बन्ध भूलने से
24. गीता का भगवान शिव की बजाए श्रीकृष्ण कहने से
25. धन-संपत्ति को माया समझने से भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, पतन हो रहा है...। आदि-आदि...।